B.Com. (Hons)
P3 - A/cs & Finance Group.
Paper - VI
Cost & Management Accounting.

Date. 27.07.2020

प्रो० चन्द्रकान्त कुमार
सहायक प्राध्यापक
वाणिज्य विभाग
V.S.J. महाविद्यालय,
राजनगर, मधुबनी)

UNIT - III
TOPIC - STANDARD COSTING

वर्तमान समय में औद्योगिक क्षेत्र में उत्पादकों के बीच प्रतिद्वन्द्विता इतनी बढ़ गई है कि प्रत्येक उत्पादक के लिए अपनी उत्पादन व्यवस्था बनाना जरूरी हो गया है। निर्माता सिर्फ यह नहीं जानना चाहता है कि उसकी प्रति इकाई माल बनाने की लागत क्या है, बल्कि यह भी जानना चाहता है कि उसको माल बनाने की वांछित क्या है। इस संबंध में लागत लेखकों में एकरूपता लाने के उद्देश्य से निम्नलिखित लागत लेखों में लोगों का ध्यान गया है —

- (A) प्रामाणिक लागत विधि STANDARD COSTING
- (B) आय-व्ययिक नियंत्रण BUDGETARY CONTROL
- (C) एकरूप लागत विधि UNIFORM COSTING
- (D) सीमान्त लागत MARGINAL COSTING

(A) **प्रामाणिक लागत विधि** :- प्रामाणिक लागत विधि एक ऐसी विधि है जिससे निम्नलिखित जानकारियाँ प्राप्त होती हैं —

(i) व्यापार संबंधित सभी सूचनाएँ प्रदान करना
(ii) लागत प्रतिवेदन सरल होना जिससे आसानी से समझा जा सके।
(iii) एक ही तरह के उत्पादन का लागत निकालने की रीतियों में भिन्नता न होना तथा।

Scanned with CamScanner

(ब) व्यापार में सफलता या असफलता का पता आसानी से लगाया जा सकता है।

कुछ विद्वानों द्वारा इसे निम्न प्रकार से परिभाषित किया गया है:—

(a) जे० आर० बॉटलीबॉय के अनुसार:→ "प्रामाणिक लागत विधि का अर्थ उन निर्धारित लागतों से है जो कि उस लागत का प्राप्त होती है, जब स्तर, सामग्री, श्रम और मशीनरी आदि का प्रयोग उचित कार्य क्षमता के अंदर होता है। इसका प्रयोग ऐसी परिस्थितियों के अंदर होता है जो कि स्थिर और व्यावहारिक होती है न कि आदर्शवादी और अप्राप्य नहीं होती।"

(b) डब्ल्यू० बी० लॉरेंस:→ "प्रामाणिक लागत विधि लागत लेखे का एक तरीका है जिसमें कुछ लेनदेन को लिखने के लिए प्रामाणिक लागत इस्तेमाल की जाती है और वास्तविक लागत की तुलना प्रामाणिक लागत से यह जानने के लिए किया जाता है इसमें क्या अंतर है और इस अंतर के क्या कारण हो सकते हैं।"

(c) जे० एल० ब्लॉकर के अनुसार:→ "ऐसी साधारण व्यापार लागत जिससे क्रियान्वित आदेशों, तरीकों, पूरे व्यापार तथा साधारण उत्पादन कार्य क्षमता के लिए उत्पत्ति के एक साधारण और नियोजित स्तर होती है इसे प्रामाणिक लागत विधि कहा जाता है।"

उपरोक्त परिभाषाओं से यह स्पष्ट होता है कि प्रामाणिक लागत वह लागत है जो कि साधारण परिस्थितियों के अंदर किसी वस्तु के उत्पादन में प्रयोग की जाती है, तथा इसे प्रामाणिक सामग्री, श्रम, एवं खर्चों की मदद से ज्ञात किया जाता है। इसमें असाधारण उत्पादन की समस्याओं को शामिल नहीं किया जाता है।—

Scanned with CamScanner

प्रमापित लागत विधि का प्रयोग निम्नलिखित उद्देश्यों की प्राप्ति के लिये किया जाता है–

(i) सामान्य लागत ज्ञात करना

(ii) वास्तविक लागत की प्रमापित लागत से तुलना करके अमान्य खर्चे का पता लगाने.

(iii) लागत लेखों एवं व्यापारिक लेखों के बीच तुलनात्मक अध्ययन करने में.

(iv) खर्चों पर नियंत्रण करने में.

(v) संगठन की कार्यक्षमता में वृद्धि कर अच्छे परिणाम की प्राप्ति करने में.

(vi) कीमत के उतार-चढ़ाव का निश्चित करने में.

(vii) आधिक्यों का ज्ञान करने में.

(viii) सामग्री के प्रयोग में परिवर्तन करने से होने वाले प्रभाव की जानकारी प्राप्त करने में.

(ix) उत्पादन की लागत प्रमापित लागत से भिन्न है तो उन कारणों का पता लगाकर भविष्य के उत्पादन विधि को मालूम करने में.

(x) प्रमापित लागत की रचना प्रति यूनिट में करने हेतु।

(xi) उत्पादन की कार्यक्षमता का मूल्यांकन करने में.

Scanned with CamScanner